विशेष कविता (Special Hindi Poem)

Source: www.brahma-kumaris.com (Main Website) | www.bkgoogle.com (BK Google)

- **प्राकृतिक आपदाओं से कैसे बचे**

अपनी मर्यादा में रहना है प्रकृति का विधान
ऐसी मर्यादायें हमें सिखाते हैं शिव भगवान

अपने सुख के लिए प्रकृति को नहीं सताओ
प्रकृति के नियमानुसार जीवन को चलाओ

प्रकृति का नियम होता लक्ष्मण रेखा समान
उल्लंघन करके बन जाओगे दुखों के गुलाम

दोहन करके प्रकृति का किया उसे कंगाल
इसीलिए प्रकृति को क्रोध आया विकराल

फैलाई तबाही वर्षा जल को बाढ़ बनाकर
अपने साथ कितने जीवन ले गई बहाकर

पेड़ काट काटकर भौतिक साधन जुटाया
हरी भरी धरती को मानव ने बंजर बनाया

महासागर का जल उमड़ घुमड़कर आया
इसका तीव्र वेग कोई सहन नहीं कर पाया

धरती की बंजरता को जड़ से तुम मिटाओ
अपने चारों तरफ हरे भरे पेड़ तुम लगाओ

प्रकृति का वंदन करो करके उसका पालन
प्राकृतिक मर्यादा में करो जीवन का संचालन

इसी विधि से प्रकृति भी मर्यादित हो जाएगी
दुख देना छोड़कर सुखमय जीवन बनाएगी
*ॐ शांति।

by: BK Mukesh bhai - bkmukesh1973@gmail.com

For More Poems, visit – www.bkofficial.com/poems-hindi

OR scan this QR code with your phone camera ->